



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ,राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम सत्र 2025–2026

इतिहास HISTORY

विषय कोड (SUBJECT CODE).13

कक्षा-12th

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है-				
प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3:15	80	20	100

भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग-1

Themes in Indian History Part-I

भाग-1-विषय (1-4)

Part -I- Theme (1-4)

1 — ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ : हड़प्पा सभ्यता

7

आरंभ, निर्वाह के तरीके —कृषि प्रौद्योगिकी मोहनजोदड़ो : एक नियोजित शहरी केन्द्र—नालों का निर्माण,गृह स्थापत्य,दुर्ग, सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन—शवाधान,विलासिता की वस्तुओं की खोज, शिल्प—उत्पादन के विषय में जानकारी —उत्पादन केंद्रों की पहचान, माल प्राप्त करने संबंधी नीतियाँ—उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल,सुदूर क्षेत्रों से संपर्क, मुहरें, लिपि तथा बाट— मुहरें और मुद्रांकन, एक रहस्यमय लिपि,बाट, प्राचीन सत्ता—प्रासाद तथा शासक, सभ्यता का अंत, हड़प्पा सभ्यता की खोज—कनिंघम का भ्रम,एक नवीन प्राचीन सभ्यता, नयी तकनीकें तथा प्रश्न, अतीत को जोड़कर पूरा करने की समस्याएँ—खोजों का वर्गीकरण, व्याख्या की समस्याएँ।

Bricks, Beads and Bones : The Harappan Civilisation

Beginnings, Subsistence Strategies —Agricultural technologies, Mohenjodaro-A Planned Urban Centre, Laying out drains, Domestic architecture, The Citadel,Tracking Social Differences-Burials, Looking for Luxuries, Finding Out About Craft-Production-Identifying centres of production, Strategies for Procuring Materials - Materials from the subcontinent and beyond,Contact with distant lands, Seals, Script, Weights- Seals and sealings, An enigmatic script, Weights, Ancient Authority- Palaces and kings, The End of the Civilisation, Discovering the Harappan Civilisation- Cunningham's confusion, A new old civilisation, New techniques and Questions, Problems of Piecing Together the Past- Classifying finds, Problems of interperetation.

2 —राजा, किसान और नगर : आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ

6

(लगभग 600 ई.पू. से 600ई.)

प्रिंसेप और पियदस्सी, प्रारंभिक राज्य—सोलह महाजनपद, सोलह महाजनपदों में प्रथम : मगध, एक आरंभिक साम्राज्य—मौर्यवंश के बारे में जानकारी प्राप्त करना, साम्राज्य का प्रशासन, मौर्य साम्राज्य की महत्ता, राजधर्म के नवीन सिद्धांत— दक्षिण के राजा और सरदार,दैविक राजा, बदलता हुआ देहात—जनता में राजा की छवि, उपज बढ़ाने के तरीके, ग्रामीण समाज में विभिन्नताएँ, भूमिदान और नए संभ्रात ग्रामीण, नगर एवं व्यापार— नए नगर,नगरीय जनसंख्या : संभ्रात वर्ग और शिल्पकार,उपमहाद्वीप और उसके बाहर का व्यापार, सिक्के और राजा,

मूल बातें : अभिलेखों का अर्थ, ब्राह्मी लिपि का अध्ययन, खरोष्ठी लिपि, अभिलेखों से प्राप्त ऐतिहासिक साक्ष्य, अभिलेख साक्ष्य की सीमा।

Kings, Farmers and Towns : Early States and Economies

(C. 600 BCE-600 CE)

Prinsep and Piyadassi, The Earliest States –The sixteen mahajanapadas, First amongst the sixteen : Magadha , An Early Empire- Finding out about the mauryas, Administering the empire , Importance of Maurya Empire, New Notions of Kingship- Chiefs and Kings in the south , Divine kings , A Changing Countryside, Popular perceptions of kings , Strategies for increasing production, Differences in rural society, Land grants and new rural elites, Towns and Trade – New cities, Urban populations : Elites and Craftspersons, Trade in the subcontinent and beyond, Coins and kings, Back to basics: inscriptions deciphered, Deciphering Brahmi, Kharosthi Script, Historical evidence from inscriptions, The Limitations of Inscriptional Evidence.

3 –बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग :आरंभिक समाज (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

6

महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण, बंधुता एवं विवाह : अनेक नियम और व्यवहार की विभिन्नता—परिवारों के बारे में जानकारी, पितृवंशिक व्यवस्था के आदर्श, विवाह के नियम, स्त्री का गोत्र, माताओं का महत्व, सामाजिक विषमताएँ : वर्ण व्यवस्था के दायरे में और उससे परे—उचित जीविका, अक्षत्रिय राजा, जाति और सामाजिक गतिशीलता, चार वर्णों के परे : एकीकरण, चार वर्णों के परे : अधीनता और संघर्ष, जन्म के परे : संसाधन और प्रतिष्ठा – संपत्ति पर स्त्री और पुरुष के भिन्न अधिकार, वर्ण और संपत्ति के अधिकार, एक वैकल्पिक सामाजिक रूपरेखा : संपत्ति में भागीदारी, सामाजिक विषमताओं की व्याख्या : एक सामाजिक अनुबंध, साहित्यिक स्रोतों का इस्तेमाल : इतिहासकार और महाभारत – भाषा एवं विषयवस्तु, लेखक और तिथियाँ, सदृशता की खोज, एक गतिशील ग्रंथ।

Kinship, Caste and Class : Early Societies (C. 600 BCE-600 CE)

The Critical Edition of the Mahabharata , Kinship and Marriage ; Many Rules and Varied Practices – Finding out about families, The ideal of patriliney, Rules of marriage, The gotra of women, Importance of Mothers, Social Differences: Within and Beyond the Framework of Caste- The right occupation, Non-kshatriya kings, Jatis and social mobility, Beyond the four varnas : Integration, Beyond the four varnas : Subordination and conflict , Beyond Birth : Resources and status- Gendered access to property, Varna and access to property, An alternative social scenario : Sharing wealth, Explaining Social Differences: A Social Contract, Handling Texts : Historians and the Mahabharata – Language and content, Author and dates, The search for convergence, A Dynamic Text.

4 – विचारक, विश्वास और इमारतें : सांस्कृतिक विकास

7

(ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

साँची की एक झलक, पृष्ठभूमि : यज्ञ और विवाद— यज्ञों की परंपरा, नए प्रश्न, वाद—विवाद और चर्चाएँ, लौकिक सुखों से आगे : महावीर का संदेश – जैन धर्म का विस्तार, बुद्ध और ज्ञान की खोज, बुद्ध की शिक्षाएँ, बुद्ध के अनुयायी, स्तूप – स्तूपों का निर्माण, स्तूप की संरचना, स्तूपों की 'खोज': अमरावती और साँची की नियति, मूर्तिकला – पत्थर में गढ़ी कथाएँ, उपासना के प्रतिक, लोक परंपराएँ, नयी धार्मिक परंपराएँ – महायान बौद्ध मत का विकास, पौराणिक हिन्दू धर्म का उदय, मंदिरों का बनाया जाना, अतीत की समृद्ध दृश्य परम्पराएँ— अनजाने को समझने की कोशिश, लिखित और दृश्य का मेल न हो।

Thinkers, Beliefs and Buildings : Cultural Developments

(C. 600 BCE-600 C.E)

A Glimpse of Sanchi, The Background: Sacrifices and Debates- The sacrificial tradition, New questions, Debates and discussions, Beyond Worldly Pleasures : The Message of Mahavira – The spread of jainism , The Buddha and the Quest for Enlightenment, The Teachings of the Buddha, Followers of the Buddha, Stupas – Construction of stupas, The structure of the stupa, Discovering Stupas : The Fate of Amaravati and Sanchi, Sculpture – Stories in stone, symbols of worship, Popular traditions, New Religious Traditions – The development of mahayana Buddhism, The growth of puranic Hinduism, Building temples, rich visual traditions of the past, Grappling with the unfamiliar, Text and image do not match.

भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग-2

Themes in Indian History Part-II

भाग-2-विषय (5-8)

Part -II- Theme (5-8)

5. यात्रियों के नजरिए : समाज के बारे में उनकी समझ

6

(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)

अल-बिरुनी तथा किताब-उल-हिन्द – ख्वारिज्म से पंजाब तक, किताब-उल-हिन्द, इब्न बतूता का रिह्ला – एक आरंभिक विश्व-यात्री : जिज्ञासाओं का उपभोग, फ्रांस्वा बर्नियर : एक विशिष्ट चिकित्सक – “पूर्व” और “पश्चिम” की तुलना, एक अपरिचित संसार की समझ : अल-बिरुनी तथा संस्कृतवादी परंपरा – समझने में बाधाएँ और उन पर विजय, अल-बिरुनी का जाति व्यवस्था का विवरण, इब्न बतूता तथा अनजाने को जानने की उत्कंठा – नारियल तथा पान, इब्न बतूता और भारतीय शहर, संचार की एक अनूठी प्रणाली, बर्नियर तथा अपविक्सित पूर्व – भूमि स्वामित्व, एक अधिक जटिल सामाजिक सच्चाई, महिलाएँ : दासियाँ, सती तथा श्रमिक।

Through the Eyes of Travellers : Perceptions of Society

(C.Tenth to Seventeenth Century)

Al-Biruni and the Kitab-ul-Hind – From Khwarizm to the Punjab, The Kitab-ul-Hind, Ibn Battuta's Rihla – An early globe-trotter, The "enjoyment of curiosities", François Bernier : A Doctor with a Difference –Comparing "East"and "West" , Making Sense of an Alien World : Al-Biruni and the Sanskrit Tradition – Overcoming barriers to understanding, Al-Biruni's description of the caste system , Ibn-Battuta and the excitement of the Unfamiliar – The coconut and the paan, Ibn Battuta and Indian cities, A unique system of communication,. Bernier and the Degenerate East - landownership, A more complex social reality, Women : Slaves, Sati and Labourers.

6 –भक्ति-सूफी परंपराएँ : धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ

7

(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

धार्मिक विश्वासों और आचरणों की गंगा-जमुनी बनावट – पूजा प्रणालियों का समन्वय, भेद और संघर्ष, उपासना की कविताएँ : प्रारंभिक भक्ति परंपरा – तमिलनाडु के अलवार और नयनार संत, जाति के प्रति दृष्टिकोण, स्त्री भक्त, राज्य के साथ संबंध, कर्नाटक की वीरशैव परंपरा, उत्तरी भारत में धार्मिक उफान, दुशाले के नए ताने-बाने : इस्लामी परंपराएँ – शासकों और शासितों के धार्मिक विश्वास, लोक प्रचलन में इस्लाम, समुदायों के नाम, सूफीमत का विकास- खानकाह और सिलसिला, खानकाह के बाहर, उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिला – चिश्ती खानकाह में जीवन, चिश्ती उपासना : जियारत और कव्वाली, भाषा और संपर्क, सूफी और

राज्य, नवीन भक्ति पंथ : उत्तरी भारत में संवाद और असहमति — दैवीय वस्त्र की बुनाई : कबीर, बाबा गुरु नानक और पवित्र शब्द, मीराबाई, भक्तिमय राजकुमारी, धार्मिक परंपराओं के इतिहासों का पुनर्निर्माण।

Bhakti-Sufi Traditions : Changes in Religious Beliefs and Devotional Texts

(C. Eighth to Eighteenth Century)

A Mosaic of Religious Beliefs and Practices – The integration of cults, Difference and conflict, Poems of Prayer Early Traditions of Bhakti – The alvars and Nayanars of Tamil Nadu, Attitudes towards caste, Women devotees, Relations with the state, The Virashaiva Tradition in Karnataka, Religious Ferment in North India, New Strands in the Fabric- Islamic Traditions – Faiths of rulers and subjects, The popular practice of Islam, Names for communities, The Growth of Sufism – Khanqahs and silsilas, Outside the Khanqah, The Chishtis in the Subcontinent – Life in the chishti khanqah, Chishti devotionism : Ziyarat and qawwali, Languages and communication, Sufis and the state, New Devotional Paths Dialogue and Dissent in Northern India – Weaving a divine fabric : Kabir, Baba Guru Nanak and the sacred Word, Mirabai , the devotee princess, Reconstructing Histories of Religious Traditions.

7. —एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर

6

(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)

हम्पी की खोज, राय, नायक तथा सुलतान — शासक और व्यापारी, राज्य का चरमोत्कर्ष तथा पतन, राय तथा नायक, विजयनगर : राजधानी तथा उसके परिप्रदेश — जल संपदा, किलेबंदियाँ तथा सड़कें, शहरी केंद्र, राजकीय केन्द्र — महानवमी डिब्बा, राजकीय केंद्र में स्थित अन्य भवन, धार्मिक केन्द्र — राजधानी का चयन, गोपुरम् और मण्डप, महलों, मन्दिरों तथा बाजारों का अंकन, संरक्षित भवनों का अध्ययन।

An Imperial Capital : Vijayanagara (c. Fourteenth to Sixteenth Century)

The Discovery of Hampi, Rayas, Nayakas and Sultans – Kings and traders, The apogee and decline of the empire, The rayas and the nayakas, Vijayanagara The Capital and its Environs - Water resources, Fortifications and roads, The urban core , The Royal Centre- The mahanavami dibba, Other buildings in the royal centre, The Sacred Centre – Choosing a capital, Gopurams and mandapas, Plotting Palaces, Temples and Bazaars, Study of protected buildings.

8. —किसान, जमींदार और राज्य : कृषि समाज और मुगल साम्राज्य

6

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

किसान और कृषि उत्पादन — स्त्रोतों की तलाश, किसान और उनकी जमीन, सिंचाई और तकनीक, फसलों की भरमार, ग्रामीण समुदाय — जाति और ग्रामीण माहौल, पंचायतें और मुखिया, ग्रामीण दस्तकार, एक छोटा गणराज्य, कृषि समाज में महिलाएँ, जंगल और कबीले— बसे हुए गाँवों के परे, जंगलों में घुसपैठ, जमींदार, भू-राजस्व प्रणाली, चाँदी का बहाव, अबुल फज्ज की आइन—ए—अकबरी।

Peasants, Zamindars and the State : Agrarian Society and the Mughal Empire (c. Sixteenth-Seventeenth Centuries)

Peasants and Agricultural Production – Looking for sources, Peasants and their lands, Irrigation and technology, An abundance of crops, The Village Community – Caste and the rural milieu, Panchayats and headmen, Village artisans, A little republic, Women in Agrarian Society, Forests and Tribes -

Beyond settled villages, Inroads into forests, The Zamindars, Land Revenue System, The Flow of Silver, The Ain-i Akbari of Abu'l Fazl Allami.

भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग-3

Themes in Indian History Part-III

भाग-3-विषय (9-12)

Part -III- Theme (9-12)

9. -उपनिवेशवाद और देहात : सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

6

बंगाल और वहाँ के जमींदार – बर्दवान में की गई नीलामी की एक घटना, अदा न किए गए राजस्व की समस्या, राजस्व राशि का भुगतान जमींदारों द्वारा न कर पाना, जोतदारों का उदय, जमींदारों की ओर से प्रतिरोध, पाँचवी रिपोर्ट, कुदाल और हल – राजमहल की पहाड़ियों में, संधाल : अगुआ बाशिंदे, बुकानन का विवरण, देहात में विद्रोह : बम्बई दक्कन- लेखा बहियाँ जला दी गई, एक नयी राजस्व प्रणाली, राजस्व की माँग और किसान का कर्ज, कपास में तेजी, ऋण का स्रोत सूख गया, अन्याय का अनुभव, दक्कन दंगा आयोग।

Colonialism and the Countryside : Exploring Official Archives

Bengal and the Zamindars – An auction in Burdwan, The problem of unpaid revenue, Inability of zamindars to payments, The rise of the Jotedars, The zamindars resist, The Fifth Report, The Hoe and the Plough- In the hills of Rajmahal, The Santnals : Poiner settlers, The accounts of Buchanan, A Revolt in the Countryside : The Bombay Deccan – Account books are burnt, A new revenue system, Revenue demand and peasant debt, Cotton boom, Credit dries up, The experience of injustice, The Deccan Riots Commission.

10. -विद्रोही और राज : 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

6

विद्रोह का ढर्रा –सैन्य विद्रोह, संचार के माध्यम, नेता और अनुयायी, अफवाहें और भविष्यवाणियाँ, लोगो द्वारा अफवाहों में विश्वास करना, अवध में विद्रोह-फिरंगी राज का आना और एक दुनिया का खात्मा, विद्रोहीयों की इच्छा – एकता की कल्पना, उत्पीड़न के प्रतीकों के खिलाफ, वैकल्पिक सत्ता की तलाश, दमन, विद्रोह की छवियाँ – रक्षकों का अभिनंदन, अंग्रेज औरतें तथा ब्रिटेन की प्रतिष्ठा, प्रतिशोध और सबक, दहशत का प्रदर्शन, दया के लिए कोई जगह नहीं, राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना।

Rebels and the Raj : The Revolt of 1857 and Its Representations.

Pattern of the Rebellion –The mutinies, Lines of communication, Leaders and followers, Rumours and prophecies, Poople believing in rumours, Awadh in Revolt- Firangi raj and the end of a world, The desire of the rebels - The vision of unity, Against the symbols of opperession, The search for alternative power, Repression, Images of the Revolt-Celebrating the saviours, English women and the honour of Britain, Vegeance and retribution, The performance of terror , No time for clemency, Nationalist imageries.

11. महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन : सविनय अवज्ञा और उससे आगे

7

स्वयं की उद्घोषणा करता एक नेता, असहयोग की शुरुआत और अंत- एक लोकप्रिय आंदोलन की तैयारी, जन नेता, नमक सत्याग्रह : नजदीक से एक नजर – दाण्डी, संवाद, भारत छोड़ो, आखिरी, बहादुराना दिन, गाँधी को समझना – सार्वजनिक स्वर और निजी लेखन, छवि गढ़ना, पुलिस की नजर से, अखबारों से।

Mahatma Gandhi and the Nationalist Movement : Civil Disobedience and Beyond

A Leader Announces Himself , The Making and Unmaking of Non-cooperation – Knitting a popular movement, A people's leader, The Salt Satyagraha : A Case Study – Dandi, Dialogues, Quit India, The Last Heroic Days , Knowing Gandhi – Public voice and private scripts, Framing a picture, Through police eyes, From newspapers.

12. संविधान का निर्माण : एक नए युग की शुरुआत

6

उथल-पुथल का दौर – संविधान सभा का गठन, मुख्य आवाजें, संविधान की दृष्टि – लोगों की इच्छा, अधिकारों का निर्धारण – पृथक निर्वाचिका की समस्या, राज्य की शक्तियाँ – राष्ट्र की भाषा – हिंदी की हिमायत, वर्चस्व का भय,

Framing the Constitution : The Beginning of a New Era

A Tumultuous Time - The making of the constituent Assembly, The dominant voices , The Vision of the Constitution – The will of the people, Defining Rights - The problem with separate electorates, The Powers of the State- The Language of the Nation – A plea for hindi, The fear of domination .

13 मानचित्र कार्य Map Work

4

निर्धारित पुस्तकें –

1. भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग 1—एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
Themes in Indian History, Part I - NCERT's Book Published under Copyright
- 2- भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग 2—एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
Themes in Indian History, Part II - NCERT's Book Published under copyright
- 3- भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग 3—एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
Themes in Indian History, Part III .NCERT's Book Published under Copyright